an>

Title: Need to declare Pipavav Port in Gujarat as a Designated Port.

श्री नारणभाई काछड़िया (अमरेली) : महोदय, आज भी इस पिपावाव पोर्ट को जो हमारे संसदीय क्षेत्र में स्थित है, लेकिन डेजिग्नेटेड पोर्ट नहीं होने के कारण हमारे देश के सभी पेट्रोलियम पी0एस0यू0, विदेशी कम्पनियों के माध्यम से पेट्रोलियम उत्पाद का आयात करते हैं और अपने-अपने जहाजों को दूसरे पोर्ट जैसे मुम्बई पोर्ट, सिक्का, मुन्डरा, वाडिनार, दहेज, जे0एन0पी0टी0 इत्यादि पर जहाँ पेट्रोलियम उत्पाद को उतारने हेतु काफी ट्रैफिक होता है और ये महंगे होते हैं।

महोदय, सप्ताह भर पेट्रोलियम उत्पाद उतारने हेतु लाइन में जहाज खड़ा रहता है और करोड़ों में पेट्रोलियम पी0एस0यू0 को डेमरेज चार्ज के रूप में भुगतान करना पड़ता है जो कि पेट्रोलियम पी0एस0यू0 पिपावाव पोर्ट का सदुपयोग करके इस अतिरिक्त खर्चे को कम कर सकते हैं। पेट्रोलियम उत्पाद के रख-रखाव अथवा लोजिस्टिक हेतु पिपावाव पोर्ट में वर्ल्ड क्लास का स्वदेशी इंफ्रास्ट्रक्चर उपलब्ध है और दूसरे पोर्टों की अपेक्षा काफी सस्ता (719 रूपए प्रति टन) है। भारत देश की कम्पनियाँ विदेशी कम्पनियों की अपेक्षा काफी सस्ती दर पर पेट्रोलियम उत्पाद का आयात करती हैं, लेकिन उन्हें यह अवसर कभी प्रदान नहीं किया जाता है।

महोदय, उपरोक्त कारणों से भारत में पेट्रोलियम उत्पादों के मूल्य निर्धारण, विपणन और आपूर्ति को भी प्रभावित करता है। हमारा संसदीय क्षेत्र अमरेली एक विकासशील जिला है और हमें पूरी उम्मीद है कि इस सरकार में हमारे जिले का पूर्ण विकास होगा। पूरे देश में कोस्टल एरिया का ज्यादातर भाग गुजरात में 1600 किलोमीटर लगता है और यह पूरे देश के साथ-साथ हमारे गुजरात के विकास हेतु मुख्य कारक है। हमारे राज्य के निम्नलिखित पोर्ट में से एक पिपावाव पोर्ट है, जो हमारे संसदीय क्षेत्र अमरेली जिले में स्थापित है। इस पोर्ट के पिछड़ेपन के निम्नलिखित कारण इस संसद के समक्ष रखना चाहता हूँ, जो इस प्रकार हैं।

महोदय, पी0पी0ऐ0सी0 ने फाइल मंत्रालय को भेज दी है और इस पिपावाव पोर्ट को डेजिग्नेटेड पोर्ट घोषित करने हेतु मंत्रालय को सिफारिश भी की है। यह कार्य जल्द से जल्द किया जाना चाहिए, क्योंकि दूसरे पोर्टों की अपेक्षा पेट्रोलियम उत्पाद के रख-रखाव अथवा लोजिस्टिक हेतु पिपावाव पोर्ट में वर्ल्ड क्लास स्वदेशी इंफ्रास्ट्रक्चर उपलब्ध है, जो बहुत ही सस्ता और सुलभ पड़ता है।

महोदय, यह डेजिग्नेटेड पोर्ट घोषित हो जाने से इससे ओ0एम0सी0 यानी तेल कम्पनियों को भी फायदा होगा और इसके साथ देश को भी भारी राजस्व का फायदा होगा। इसके साथ-साथ हमारे अमरेली जिले का भी विकास होगा। बहुत-बहुत धन्यवाद।

HON. DEPUTY-SPEAKER:

Kunwar Pushpendra Singh Chandel and

Dr. Kirit P. Solanki are permitted to associate with the issue raised by Shri Naranbhai Bhikhabhai Kachhadia.